मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 53 अंक 5 | प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
मई 2017 | बहाई वर्ष : 174

विश्व न्याय मन्दिर

...हमें अपनी शक्तियाँ बच्चों की कक्षाओं एवं किशोर समूहों के विस्तार की दिशा में लगाने की आवश्यकता है..... इस उद्देश्य के लिए पूरक विषयों की वृद्धि स्वाभाविक रूप से होने दी जाए जो गांवों और पड़ोस में समुदाय के निर्माण की क्रमशः गतिशील होती जा रही प्रक्रिया का एक प्रतिफल होगा।

–12 दिसम्बर 2011

बिहारशरीफ़ में रूही पुस्तक–10 इकाई–2 के अध्ययन का आयोजन

प्रशिक्षण संस्थान मंडल, बिहार द्वारा *'जीवंत समुदायों का निर्माण'* रूही पुस्तक–10 इकाई–2 का अध्ययन बिहारशरीफ़ क्लस्टर में 13 से 17 अप्रैल 2017 तक सलाहकार श्री दृगपाल सिंह की विशेष उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें परिषद् सदस्य, प्रशिक्षण संस्थान मंडल के सदस्य, सहायक मंडल सदस्य, स्थानीय संस्था एवं एजेंसी के मित्र व कुछ चयनित सहशिक्षक, अनुप्रेरक और शिक्षक के साथ–साथ उत्तर प्रदेश एवं झारखण्ड के कुल 32 मित्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ स्थानीय मित्रों के स्वागत संभाषण, प्रार्थना एवं परिचय से हुआ तत्पश्चात् मित्रों ने रूही पुस्तक–10 की इकाई–2 जो परामर्श से संदर्भित है, के अध्ययन में गहरी अभिरूचि दिखाई। अध्ययन के क्रम में मित्रों ने 'परामर्श की महत्ता', 'आध्यात्मिक सम्मिलन का स्वरूप', 'बहाई एवं गैर इतर मित्रों के परामर्श के मध्य विभिन्नताएँ', 'परामर्श हेतु अपरिहार्य आध्यात्मिक गुण', 'परामर्शीय प्रक्रिया में भाग लेने वाले प्रतिभागियों द्वारा वरेण्य आध्यात्मिक गुण तथा उसके मध्य संबंधों का स्वरूप', 'परामर्श व एकता की अवधारणा तथा परामर्श की प्रक्रिया द्वारा एकता का सुदृढ़ीकरण', 'व्यष्टिगत एवं समष्टिगत मामलों में परामर्श का सिद्धांत, 'बहाई परामर्श की विशेषताओं के विविध उद्देश्य', 'आज्ञासूचकों में किसी एक अभीष्ट का चयन तथा परामर्श के सिद्धांत पर और गहन अन्तर्दृष्टि प्रदान करना' विषयक् कई महत्वपूर्ण अवधारणाओं एवं संकल्पनाओं पर विशेषीकृत रूप से चर्चा हुई। साथ ही, उद्देश्य एवं दृष्टि की एकता, कार्य की एकता एवं यथार्थ ज्ञान प्राप्ति हेतु इन्द्रियबोध, तर्क की शक्ति, परंपरायें, प्रेरणा तथा इससे भी बढ़कर ज्ञान का दैवीय मापदंड पर मित्रों ने परामर्श किया व एक नई



बिहारशरीफ में आयोजित पुस्तक–10 इकाई–2 के अध्ययन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

अन्तर्दृष्टि प्राप्त की। इतना ही नहीं व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामुदायिक एवं संस्थाओं के स्तर पर यथा सभी परिस्थितियों में परामर्श के सिद्धांत को आत्मसात् किया।

अध्ययन के दौरान समुदाय–समूह के स्तर पर आयोजित होने वाली समीक्षा बैठक व अन्य परामर्शी बैठक जिसका केन्द्रीभूत उपजीव्य,

शेष पृष्ठ 4 पर

इस अंक में

देशभर में मनाया नवरूज़ का उत्सव

पंचगणी : महाराष्ट्र में पंचगणी में नवरूज़ का उत्सव बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थनाओं से किया गया, उसके बाद नवरूज़ के बारे में बताया। एक किशोर द्वारा कथक नृत्य प्रस्तुत किया गया। हिन्दी और अंग्रेजी में गीत प्रस्तुत किए गए। महाराष्ट्र और गुजरात के लोकनृत्य भी प्रस्तुत किए गए। बाल परियोजना (बिल्ड ए लाइफ) में भाग लेने वाले जिला परिषद स्कूलों के किशोरों ने नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। बाल परियोजना न्यू एरा हाई स्कूल की पहल है, ताकि स्थानीय स्कूलों के किशोरों को अंग्रेजी और नैतिक मूल्यों को सीखने में सक्षम बनाया जा सके। लड़कियों और लड़कों ने दक्षिणी भारतीय शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम प्रस्तुत किया, जिसका विषय था पशुबलि पर प्रतिबंध और भक्ति के साथ प्रभु से प्रार्थना करना। पंचगणी के लोग नवरूज़ उत्सव को अपने वार्षिक त्यौहार के रूप में देखते हैं। वे हर वर्ष उत्सव में भाग लेने के लिए तत्पर रहते हैं।



पंचगणी में आयोजित नवरूज़ कार्यक्रम में शामिल हुए मित्रगण

गोदोली : पंचगणी के पड़ोस गोदोली में नवरूज़ का उत्सव मनाया गया, जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें बहाई कक्षा के बच्चे, किशोर और उनके अभिभावक भी शामिल थे। प्रार्थना के आध्यात्मिक माहौल में कार्यक्रम की शुरूआत हुई, उसके उपरान्त दिन विशेष की महत्वता पर प्रकाश डाला गया। गीत और खेल भी कार्यक्रम का हिस्सा थे। यह कार्यक्रम पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर रहा।

कोरेगांव : कोरेगांव क्लस्टर के सोलासी गांव में स्थानीय मित्रों की सहायता से नवरूज़ समारोह 21 मार्च की शाम को एक स्कूल में मनाया गया। इस समारोह में लगभग 34 मित्रों ने भाग लिया, जिनमें बच्चे, किशोर, युवा और वयस्क शामिल थे। कार्यक्रम प्रार्थनाओं से शुरू हुआ और उसके उपरान्त एक युवा ने समारोह के महत्व के बारे में बताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान गीत आदि भी प्रस्तुत किए गए।



देवलाली में आयोजित नवरूज़ कार्यक्रम के प्रतिभागी

देवलाली : महाराष्ट्र में देवलाली के बहाई विद्या मंदिर में 20 मार्च की शाम को पवित्र पर्व नवरुज़ बहुत ही उत्साह से मनाया गया। दोपहर से ही मित्रों का एकत्रित होना शुरू हो गया और सभी ने एक परिपूर्ण जिम्मेदारी को निभाते हुए सफाई करना, खाना बनाने के लिए मदद करना, बैठने

शेष पृष्ठ 2 पर

देशभर में मनाया नवरूज़ का उत्सव

पृष्ठ 1 का शेष

के लिए टेबल और चेयर को लगाना ऐसी सभी जिम्मेदारी को मित्रों ने निभाया।

कार्यक्रम युवाकिशोर दल के किशोरों की प्रार्थनाओं से आरम्भ हुआ। दूसरे युवाकिशोर दल के किशोरों ने पुस्तक–1 के पाँच उद्धरणों को उनके अर्थ सहित बताया और बहाई कक्षा के बच्चों ने कुछ बहाई गीत गाये। ये अनुभव बहुत ही आनंद भरा था, बहाई कक्षा के बच्चे और युवाकिशोर दल



गोदोली में आयोजित समारोह के प्रतिभागी

के किशोर अपने माता–पिता के समक्ष अपनी आध्यात्मिकता को पेश कर रहे थे, यह देखकर माता–पिता बहुत ही आनंदित हो रहे थे।

एक मित्र ने बहाउल्लाह के जीवन पर मित्रों से वार्तालाप की और बीच–बीच में सभी बहाई उत्सवों के बारे में भी मित्रों को बताते रहे। कार्यक्रम का वातावरण बहुत ही पूरक हो गया फिर देवलाली आध्यात्मिक सभा के एक सदस्य ने नवरुज़ की महत्वपूर्ण प्रार्थना की और उस 'आशीर्वादित



खगड़िया क्लस्टर में आयोजित समारोह के प्रतिभागी

सौंदर्य' को याद करते हुए कार्यक्रम को विराम दिया। कार्यक्रम में 100 से अधिक मित्रों ने प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम के अंत में कुछ मित्रों को स्टडी सर्कल का महत्व भी बताया।

अजमेर : स्थानीय आध्यात्मिक सभा अजमेर के तत्वावधान में नवरूज़ का उत्सव होटल रॉयल माइलेज में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मीना उपाध्याय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के संयोजक श्री मुकेश मिश्रा ने बहाई धर्म का परिचय देते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान गीत और भजन आदि भी प्रस्तुत किए गये।

खगड़िया : खगड़िया कलस्टर के विजय नगर समुदाय में नवरूज़ का उत्सव श्री रान्टो कुमार की अध्यक्षता में 19 मार्च 2017 की शाम को हर्षोल्लास से मनाया गया। इस उत्सव में लगभग 200 से अधिक मित्रों ने भाग लिया। इस उत्सव का प्रारंभ प्रार्थना से हुआ। तत् पश्चात् बहाई बाल कक्षा के उप–क्षेत्रीय संयोजक श्री ओमप्रकाश चौधरी ने बहाई उपवास, तथा नवरूज़ विषयों पर अनुभव साझा किये। उसके उपरान्त गोपालपुर स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सचिव श्री शिवशंकर प्रसाद गुप्ता ने बहाई आदर्श पर अपने अनुभव साझा किए। श्रीमती संगीता कुमारी ने स्त्री–पुरुष की समानता पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए श्री रान्टो कुमार ने बहाई धर्म से संबंधित शोगी एफेन्दी द्वारा लिखित बहाई सिद्धांत पर अपना अनुभव प्रस्तुत किया और फिर बहाई बाल कक्षा के बच्चो ने भक्ति संगीत द्वारा सभी मित्रों का मनमोह लिया।

बंगलूरु : बंगलूरु के बहाई समुदाय द्वारा उद्धवन पार्क स्थित सचिवालय क्लब में 20 मार्च की शाम को नवरूज़ का त्यौहार मनाया गया। विभिन्न भाषाओं में प्रार्थनाओं से प्रारम्भ हुये कार्यक्रम ने तब आनन्द और उल्लास का माहौल बना दिया जब एक स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान भरतनाट्यम, कुचीपुडी और ओडिसी नृत्य भी प्रस्तुत किये गये जिनके कारण माहौल खुशनुमा बना रहा।

इस अवसर पर कुछ प्रेस–प्रतिनिधि भी उपस्थित थे, जिन्होंने नवरूज़ के महत्व के बारे में जानना चाहा। उनके प्रत्युत्तर के रूप में आमंत्रित सभी वृहत समुदाय के अतिथियों को भी बहाई उपवास और उपवास के बाद आने वाले नवरूज़ के सम्बन्ध में विस्तार से बतलाया गया। उन्हें बताया कि जब प्रकृति नये परिधान धारण करती है, जब धरती पर दिन और रात



हैदराबाद में आयोजित समारोह के दौरान नृत्य प्रस्तुत करती बालिकायें

बराबर अवधि के होते हैं, जब मानव–मन उन्नीस दिनों के उपवास के बाद परिशुद्ध हो ईश्वर के अधिक करीब होता है तब यानि 20 मार्च को बहाई नये साल का जश्न पूरी दुनिया में बहाई समुदाय द्वारा मनाया जाता है।

रात्रिभोज के दौरान अतिथियों ने अनेक रोचक सवाल पूछे, जिनके उत्तर वहाँ उपस्थित बहाई मित्रों ने दिये।

आंध्र प्रदेश और तेलंगानाः क्षेत्रीय बहाई परिषद के सघन विकास कार्यक्रम वाले क्षेत्र – हैदराबाद, कुरनूल और विशाखा–पट्टनम के अलावा तीन अन्य समुदायसमूहों–रविकामपाडु, विजयवाड़ा और वारंगल से नवरूज़ त्यौहार बनाये जाने की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। वैसे पूरे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में नवरूज़ का त्यौहार बहाई समुदाय द्वारा धूमधाम से मनाया गया।

हैदराबाद : सिकन्दराबाद के बहाई भवन में एक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जब स्थानीय बहाई समुदाय और कुछ आमंत्रित अतिथि नवरूज़ के त्यौहार में उपस्थित हुये।

प्रारम्भ में अनेक भाषाओं में प्रार्थना की गईं, जिनमें विश्व केन्द्र से हाल ही में प्राप्त नवरूज़ की विशेष प्रार्थना का अनुवाद शामिल किया गया। इसके बाद नवरूज़ के ऐतिहासिक महत्व पर एक संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित वार्ता प्रस्तुत की गई।

विसाखापट्टनम : यहाँ के यूथ हॉस्टल में नवरूज़ का त्यौहार इस वर्ष 19 मार्च की शाम को मनाया गया। अभी तक बहाई त्यौहारों को मनाने का प्रचलन यह था कि बहाई समुदाय किसी स्थान विशेष पर मिलते और त्यौहार मनाते थे, लेकिन नवरूज़ के कुछ दिन पहले ही सलाहकार के दौरे से प्रेरित होकर विसाखापट्टनम के बहाईयों ने घर–घर जाकर अतिथियों को आमंत्रित किया और यही कारण था कि उपस्थित बहाईयों की संख्या से दुगुनी संख्या में वहद् समुदाय के लोग समारोह में शामिल हुये। जिज्ञासुओं की भारी संख्या में उपस्थिति देखकर बहाई समुदाय बहाउल्लाह के जन्मोत्सव पर इससे भी बड़ी संख्या में लोगों को आमंत्रित करने के लिये प्रोत्साहित हुआ।

अवसर के महत्व पर वार्ता के अलावा नृत्य–गीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

कुरनूल : कुरनूल के बहाई केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में जिज्ञासुओं के चेहरों पर खुशी देखते ही बनती थी। वे जानना चाहते थे कि आखिर क्यों इसी समय इतनी खुशी का यह त्यौहार बहाईयों द्वारा मनाया जाता है। उन्हें एक वार्ता के माध्यम से बतलाया गया कि बहाई कैलेण्डर बहाई धर्म के अग्रदूत बाब द्वारा दिया गया जिसकी पुष्टि बहाई धर्म के संस्थापक बहाउल्लाह द्वारा की गई और जिस कैलेण्डर के अनुसार ही दुनिया भर में बहाई नववर्ष का यह त्यौहार उन्नीस दिनों के उपवास के बाद मनाया जाता है। इस प्रकार नवरूज़ के महत्व और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की चर्चा कार्यक्रम के दौरान की गई।

एक बहाई परिवार ने पूरे कार्यक्रम का भार उठाया तो दूसरे परिवार ने गीत प्रस्तुत किये।

रविकम्पाडु : संयोग था कि नवरूज़ के दिन इस क्षेत्र में भारी

शेष पृष्ठ 3 पर

देशभर में मनाया नवरूज़ का उत्सव

पृष्ठ 2 का शेष

वर्षा हुई और इस कारण बिजली सप्लाई बाधित रही, लेकिन बहाईयों का उत्साह कम नहीं हुआ। वे एक स्थान पर एकत्र हुये और हँसी–खुशी के माहौल में त्यौहार मनाया। गीत गाये गये, प्रार्थनायें की गईं और नवरूज़ के महत्व पर चर्चा हुई।

विजयवाड़ा : यहाँ समुदाय के स्तर पर कोई आम सभा तो इस वर्ष आयोजित नहीं की जा सकी, लेकिन दो स्थानों पर व्यक्तिगत रूप से बहाईयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने अवसर विशेष की सुरभि आस–पड़ोस के लोगों पर भी बिखेर दी।

विजयवाड़ा के पास पढ़ाई कर रहे एक अफ्रीकी बहाई ने अपने हॉस्टल में अपने मित्रों और परिचितों को आमंत्रित कर त्यौहार मनाया तो एक पुराने बहाई मित्र ने अपने घर पर आयोजन कर मित्रों को आमंत्रित किया। गीत–संगीत से जब माहौल गूंज उठा तब आस–पड़ोस के लोगों ने भी पूछना शुरू कर दिया कि किस बात की खुशी मनाई जा रही है। इस प्रश्न ने प्रभुधर्म का संदेश देने का अवसर प्रदान किया।



रविकम्पाडु में आयोजित समारोह के प्रतिभागी

वारंगल : वारंगल में भी एक पुराने बहाई के घर पर ही नवरूज़ का त्यौहार आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय बहाई शामिल हुये। उन्होंने साथ मिल–बैठ कर प्रार्थनायें की, आध्यात्मिक गुणों के विकास और समुदाय के नव–निर्माण जैसे विषय पर चर्चा की और चाय–नाश्ते से ही संतुष्टि प्राप्त की।

जयपुर के बहाईयों की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक से शिष्टाचार भेंट

स्थानीय आध्यात्मिक सभा, जयपुर के सदस्यों द्वारा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बी.एल. सोनी से जयपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में शिष्टाचार भेंट की गई। श्री सोनी को भेट के दौरान बहाई साहित्य तथा बहाई उपासना मंदिर का प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया।

नियाज़ आलम अनन्त ने बहाई धर्म के विषय पर प्रकाश डाला व सभा के सदस्यों ने बहाई धर्म व चलाई जा रही सामाजिक गतिविधियों से अवगत कराया।

श्री सोनी ने बताया कि वे इस धर्म से पहले से ही परिचित हैं व अपने परिवार सहित बहाई उपासना मन्दिर का भ्रमण कर चुके हैं। यह मंदिर मानवता की एकता व धर्म की एकता का प्रतीक है। गौरतलब है कि बी.एल. सोनी को जयपुर शहर का पहला कमिश्नर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री सोनी ने सभी बहाई मित्रों का प्रेमपूर्वक स्वागत किया व अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।



जयपुर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के साथ बहाई मित्रगण

समाचारचित्र



बिहारशरीफ क्लस्टर के हरगावाँ समुदाय निवासी श्री अरविन्द कुमार की सुपुत्री सुश्री रिपा रानी का विवाह लखनपुर समुदाय के श्री दिलीप सिन्हा के सुपुत्र श्री रवि कुमार सिन्हा के साथ 5 मार्च 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा हरगावां के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।



बिहार में पटना बहाई भवन में रूही पुस्तक–7 के लिए एक प्रशिक्षण अभियान चलाया गया, जिसमें खगड़िया क्लस्टर से 11 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की और पुस्तक–7 का अध्ययन पूर्ण किया।



पश्चिम बंगाल में बहाई कोष प्रशिक्षण सम्मेलन दुलालदी के बहाई केन्द्र में मानबाजार–2 क्लस्टर में आयोजित किया गया, जिसमें 37 मित्रों ने भाग लिया। ये मित्र मानबाजार–1 और मानाबजार–2 क्लस्टर से आये थे, उनमें 10 महिलायें थीं, जो स्थानीय आध्यात्मिक सभा की सदस्या हैं। क्लस्टर प्रशिक्षण संस्था के सदस्य, क्लस्टर विकास समिति के सदस्य, बहाई बच्चों की कक्षा के शिक्षक, किशोरों के अनुप्रेरक और ट्यूटर भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.

Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2015-16-17

नासिक में युवाओं के लिए मिलन समारोह

नासिक में युवाओं के लिए मिलन समारोह का आयोजन 16 अप्रैल को किया गया, उन सभी को दादासाहब फाल्के स्मारक पर ले जाया गया, जहाँ पर 55 युवा इस प्रक्रिया में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थनाओं से हुई। 55 युवाओं को दो दल में बांटकर उनके साथ युवा सम्मेलन के कुछ अंशों का अध्ययन किया। अध्ययन के दौरान युवा अपनी प्रतिक्रियाएं भी सरल रूप से बाँट रहे थे, जिसमें पिछले सप्ताह एक युवा शुभम ने प्रभुधर्म में आस्था व्यक्त की थी, उसने कहा कि ''पिछले दो वर्षों से मैं सेवा में समय नहीं दे रहा था तो मेरे व्यक्तिगत जीवन में बहुत सारे बदलाव आये थे, तो मुझे फिर से ईश्वर ने मदद की और मैंने फिर सेवा की तरफ अपने कदम बढ़ाये और अभी मैं काफी खुश हूँ।'' अध्ययन के बाद युवाओं के साथ योजना बनाई गई जो इस प्रकार थी कि हर एक युवा अपने पांच मित्रों को रूही अभियान के लिए आमंत्रित करेंगे और रूही पुस्तक–6 के लिए सभी 55 युवाओं को आमंत्रित किया गया और उनके साथ सहकारिता पर आधारित कुछ खेलों का आयोजन किया गया, जिनका मित्रों ने आनंद उठाया। सभी तरफ से देखते हुए ऐसा लगा की यह कार्यक्रम समुदाय के बढ़ते हुए पोषण के लिए काफी लाभकारी साबित होगा।



नासिक में आयोजित समारोह के प्रतिभागी

● निधन

श्री परमानन्द प्रसाद साहू

हमें यह बताते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि बिहार के खगड़िया क्लस्टर के सेवानिवृत 75 वर्षीय शिक्षक श्री परमानन्द प्रसाद साहू की मृत्यु 21 मार्च, 2017 को उनके पैतृक निवास स्थल गौछारी में हो गई। ज्ञातव्य हो कि श्री साहू एक सक्रिय बहाई थे, जिनके आभालोक गमन से बहाई जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

श्री मंदिरामूर्थी



हमें यह बताते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि तमिलनाडु के श्री मंदिरामूर्थी का निधन 2 अप्रैल 2017 हो गया। श्री मंदिरामूर्थी ने अनेक वर्षों तक बहाई एजेंसियों पर अपनी बहुमूल्य सेवायें प्रदान की हैं। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

बिहारशरीफ़ में रूही पुस्तक–10 इकाई–2 के अध्ययन का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

उत्साह के स्तर को बनाये रखना व बैठक में समागत मित्रों में सेवा और बंधुत्व की भावना का निरंतर आविर्भाव करना है, के संदर्भ में भी वार्तालाप किया गया कि कैसे हम समीक्षा बैठक को उत्साहपूर्वक एवं गंभीर बना सकते हैं तथा कैसे हम इसमें और अधिकाधिक लोगों की प्रतिभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

वस्तुतः इस अध्ययन शिविर की मुख्य विशेषता समुदाय निर्माण की प्रक्रिया को गतिज़ता प्रदान करना यथा–बहाई बाल कक्षा एवं किशोर समूह कक्षा के प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं अनुप्रेरकों के घरों में प्रार्थना सभा आयोजित करना था। अतएव, उक्त पाँच दिन के अध्ययन शिविर के दौरान सभी मित्रों ने दस दलों में विभक्त होकर तीन दिनों तक बिहारशरीफ़ के हरगावॉ, तेतरावॉ, विशुनपुर, चोरसुआ, सिपाह, बकरा एवं राणाबिगहा समुदायों में भ्रमण किया। भ्रमण मुख्य रूप से बच्चों, किशोरों एवं अनुप्रेरकों के घरों में किया गया तथा उनके माता–पिता एवं अभिभावकों से कई महत्वपूर्ण विषयों पर अर्थपूर्ण वार्तालाप की गई, जिस वार्तालाप में बच्चों एवं किशोरों को नियमित रूप से कक्षाओं में भेजना, कक्षा की नियमितता, कक्षा का उद्देश्य, उनके द्वारा सीखी गई प्रार्थनाओं और उद्धरणों का उनके व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामुदायिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव, सम्पूर्ण शिक्षा, रूही पुस्तक–1 दिव्य जीवन : एक चिन्तन के कुछ चिन्हित भाग, सेवा परियोजना, बहाउल्लाह के 200वें जन्मोत्सव, मूलगतिविधियों की जानकारी तथा उनके घरों में भक्तिपरक बैठक आयोजित करना शामिल था।

समुदाय भ्रमण के दौरान स्थानीय मित्रों में काफी ग्रहणशीलता एवं उत्सुकता देखने को मिली। सर्वाधिक वार्तालाप युवा, माताओं एवं किशोरियों के साथ हुई तथा प्रार्थना सभा के लिए आवश्यक वातावरण तैयार किये गये व बहुतेरे लोगों को प्रार्थना की महत्ता बताते हुए प्रार्थना की पुस्तकें व अन्यान्य बहाई साहित्य भी उपहारस्वरूप सप्रेम भेंट किये गये। भ्रमण के दौरान बहुधा सभी समुदायों में अच्छी खासी संख्या में प्रार्थना सभा एवं भक्तिपरक संगीत कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसमें स्थानीय अभिभावकों का प्रशंसनीय योगदान प्राप्त हुआ। इसी कड़ी में बताते चले कि भ्रमण दल में शामिल परम स्नेही मित्रगण प्रत्येक दिन सुबह के सत्र में अपने भ्रमण संबंधी अनुभवों को एक–दूसरे के साथ साझा करते थे तदनोपरांत पूर्ण उत्साह एवं नई ऊर्जस्विता के साथ अध्ययन व पुनः गोधूली बेला में भ्रमण हेतु अपने विनिर्दिष्ट समुदाय की ओर कूच कर जाते थे।

इस प्रकार, कुल 7 समुदाय के 103 घरों में 488 मित्रों के साथ अर्थपूर्ण वार्तालाप की गई, जिसके परिणामस्वरूप 46 नये घरों में भक्तिपरक बैठक प्रारंभ हुई, जिसमें लगभग 588 मित्रों ने अपनी जीवंत प्रतिभागिता दर्ज़ की साथ ही 24 अतिरिक्त नये घरों में भी निकट भविष्य में भक्तिपरक बैठक प्रारंभ होने की संभावना दृष्टिगोचर हुई।

कार्यक्रम के समापन समारोह में परिषद सचिव श्री ओम नमः शिवाय सिंह ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवादज्ञापन किया तथा नयी प्रार्थना सभाओं को नियमित बनाये रखने की अपील।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2015-16-17
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–20
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.05. 2017
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कमार)

प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख